राज्य समिति के बाद केंद्र में भेजा जाएगा नाम

फरवरी के अंतिम सप्ताह में प्रत्याशियों की जारी होगी सूची

लोकसभा और राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा चुनाव प्रबंधन समिति की हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी की चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक हुई। करीब 1 घंटे से अधिक चली बैठक में फैसला हुआ है कि राज्य समिति की ओर से केंद्र को नाम भेजा जाएगा। इसके बाद लोकसभा चुनाव के लिए फरवरी के अंतिम सप्ताह में प्रत्याशियों की सूची भाजपा जारी कर सकती है। इसके पीछे की वजह है कि मध्य प्रदेश में विधानसभा का सत्र भी शुरू हो रहा है।

भाजपा की लगातार बैठक भी जारी रहेगी। इस बीच सत्र खत्म होने के बाद मध्य प्रदेश भाजपा चुनाव समिति के सदस्यों की आखिरी बैठक होगी। फिर केंद्रीय नेतृत्व के पास प्रत्याशियों की सूची भेजी जाएगी।

प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा-अगली बैठक के बाद प्रत्याशियों के नाम पर होगा फैसला

भाजपा के असंतुष्ट लौटेंगे पार्टी में, कांग्रेस वाले होंगे शामिल

लोकसभा चुनाव से पहले कोई छूट न योजना के तहत भाजपा पार्टी से नाराज चल रहे नेताओं को वापस लेकर आएगी। इसके अलावा कांग्रेस में अन्याय और असहज महसूस करने वाले नेताओं को भी भाजपा में शामिल करने की कवायद चल रही है। बैठक में यह भी चर्चा हुई कि जो नाराज नेता है। उन्हें भाजपा में शामिल कराया जाए।

राज्यसभा के लिए मार्च में नाम का ऐलान

बैठक में फैसला यह भी किया गया है कि राज्यसभा चुनाव के लिए फिलहाल मार्च में ही उम्मीदवारों के ऐलान किए जाएंगे। प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने कहा कि अभी समिति के सदस्यों की बैठक हुई है। किसी भी नतीजे पर फिलहाल समिति के सदस्य नहीं आए हैं। अगली बैठक के बाद ही प्रत्याशियों के नाम पर फैसला हो जाएगा। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि आखिर भाजपा लोकसभा के लिए प्रत्याशियों का ऐलान कब तक कर सकती है।

यह हुए बैठक में शामिल

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में रविवार को प्रदेश चुनाव समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य डॉ. सत्यनारायण जटिया, लोकसभा चुनाव के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह, सह प्रभारी सतीश उपाध्याय, प्रदेश शासन के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, मध्यप्रदेश शासन के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, राकेश सिंह, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद, केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते, वरिष्ठ नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा, अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य, पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह रामपाल सिंह एवं महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष माया नारोलिया उपस्थित थीं।

लोकसभा चुनाव प्रभारी डॉ. सिंह, सह प्रभारी उपाध्याय ने किया दीवार लेखन

लोकसभा चुनाव में अब तक जीत के सभी रिकॉर्ड तोड़ेगी भाजपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

लोकसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी 15 जनवरी से देश भर में दीवार लेखन अभियान चला रही है। इस अभियान के तहत लोकसभा चुनाव के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह ने रविवार को रोशनपुरा चौराहे पर एवं सह प्रभारी सतीश उपाध्याय ने वार्ड क्रमांक 26 के बूथ क्रमांक 7 ग्राम सेवनिया गौड़, नागेश्वर मंदिर सूरज नगर तिराहे पर दीवार लेखन किया। दोनों ने दीवार पर अपने हाथ से कमल का फूल बनाया और एक बार फिर से मोदी सरकार स्लोगन लिखा।

लोकसभा चुनाव प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि लोकसभा चुनाव को लेकर देशभर में दीवार लेखन चल रहा है। आज मैंने भी भोपाल के रोशनपुरा चौराहे पर दीवार लेखन किया। देश की जनता नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का मन बना चुकी है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है, कार्यकर्ता लोकसभा चुनाव अभियान में जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा अब तक के जीत के सभी रिकार्ड तोड़ेगी। मोदी जी ऐतिहासिक बहुमत के साथ तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। मप्र में भाजपा सभी 29 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज कर इतिहास बनाएगी।

प्रधानमंत्री को लेकर देश में प्रचंड लहर

सह प्रभारी सतीश उपाध्याय ने कहा कि एक बार फिर से नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए दीवार लेखन का कार्य कर रहे हैं। देश की जनता में प्रधानमंत्री मोदी को लेकर जबर्दस्त उत्साह है। मप्र के साथ देशभर की जनता इस लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक बहुमत से भाजपा को विजयी बनाकर मोदी तो तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए उत्साहित है। इस मौके पर चुनाव प्रबंधन विभाग के प्रदेश संयोजक प्रदीप त्रिपाठी, प्रदेश प्रवक्ता सुश्री नेहा बग्गा, मीडिया पैनलिस्ट एडवोकेट सचिन वर्मा, जिला उपाध्यक्ष शंकर मकोरिया, जिला मीडिया प्रभारी राजेंद्र गुप्ता समेत अन्य लोग मौजूद थे।

लीडरशिप समिट के दूसरे दिन विभिन्न वक्ताओं ने साझा किए मूल्यवान विचार

मंत्रियों को अपने विभाग में नवाचार पर ध्यान देने समीक्षा के साथ प्रशासनिक सुधार करने की सलाह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि मंत्रियों को अपने-अपने विभाग में नवाचार पर भी ध्यान देना चाहिए। समीक्षा करने के साथ विभाग में समय की मांग के अनुसार प्रशासनिक सुधार करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण संवाद और सहयोग महत्वपूर्ण है। सरकार और प्रशासन एक इसरे के पूरक है। मंत्रियों को विभागीय अधिकारियों की कान्फ्रेन्स करना चाहिए।

इसमें विभागीय अधिकारियों से महत्वपूर्ण फीडबेक मिलता है। उन्होंने कहा कि विभाग के विशेषज्ञों का ग्रुप बना कर विभाग के कार्य में विशेषज्ञ का सहयोग लेना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी मंत्री विधान सभा में दिए आश्वासनों को प्रतिबद्धता के साथ पूरा करें।

विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने यह बात रविवार को अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में लीडरशिप समिट के दूसरे दिन के पहले सत्र को सम्बोधित करते हुए कही। वह प्रशासनिक समन्वय एवं विधानसभा कार्यप्रणाली विषय पर उद्बोधन दे रहे थे। मंत्रियों को अपने विभाग की कार्यप्रणाली और प्रक्रियाओं को पूरी तरह समझना चाहिए। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और राजेन्द्र शुक्ल एवं मंत्रि-परिषद के सदस्य उपस्थित थे।

1 *प्रशासनिक समन्वय व विस कार्यप्रणाली विषय पर विस अध्यक्ष तोमर का संबोधन*

2 *मुख्यमंत्री डॉ. यादव, उप मुख्यमंत्री देवड़ा और शुक्ल ने भी दिया मार्गदर्शन*

स्वच्छ इंदौर अब हमारे नागरिक संस्कारों में आ गया हैः मंत्री विजयवर्गीय

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इंदौर के स्वच्छ एवं विकसित शहर के रूप में उभरने की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वच्छ इंदौर अब हमारे नागरिक संस्कारों में आ गया है। इंदौर का हर व्यक्ति सफाई मित्र है। कचरे से सीएनजी गैस और खाद बनाकर नगर निगम आय भी अर्जित कर रहा है। इंदौर में स्वच्छता अभियान की शुरूआत रहवासी संघ बना कर की गई। नागरिकों, सामाजिक संगठनों सहित सभी संबंधित लोगों से चर्चा कर यह निर्णय लिया गया कि शहर में कहीं भी कचरा नहीं दिखना चाहिए। साथ ही दण्ड और पुरस्कार की भी योजना बनाई गई। रात्रिकालीन सफाई शुरू की गई और घर में ही गीले और सूखे कचरे के सेग्रीगेशन की व्यवस्था की गई। कचरा वाहनों में जीपीएस लगाए गए।

राज्य स्तरीय प्रशासनिक संरचना विषय पर जानकारी दी

उप सचिव सुधीर कोचर ने राज्य स्तरीय प्रशासनिक संरचना विषय पर जानकारी दी। उन्होंने प्रशासनिक प्रक्रिया और प्रशासनिक शब्दावली की जानकारी भी दी। दुष्यंत सिंह ने भी सोशल मीडिया प्रबंधन, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ समन्वय पर और वाईके पाठक ने सुशासन में प्रोद्योगिकी का महत्व ई-ऑफिस, भण्डार क्रम प्रक्रिया ई-टेंडरिंग नियम तथा जेम की जानकारी दी।

समीक्षा करने के लिए अध्ययन करने की सलाह

तोमर ने प्रशासनिक व्यवस्था और कार्यप्रणाली को समझाते हुए कि नीतियों के बनाने, क्रियान्वयन करने और समीक्षा को बेहतर ढंग से करने के लिए अध्ययन करने की सलाह दी। उन्होंने जिला प्रभारी मंत्री के रूप में बेहतर ढंग से दायित्व निर्वहन पर भी जानकारी दी।

अनुपूरक अनुमान हर सत्र में लाया जा सकता है

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने बजट, मंत्रालयीन कार्य प्रणाली, कार्य आवंटन नियम, विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना नियमावली विषय पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अनुपूरक अनुमान विधानसभा के प्रत्येक सत्र में लाया जा सकता है। उन्होंने वजट और बजट प्रक्रिया पर विस्तार से जानकारी दी। मंत्र पटेल ने कहा कि वित्तीय अनुशासन के साथ विकास के लक्ष्य को प्राप्त करना है। वित्तीय आत्मनिर्भरता लक्ष्य होना चाहिए। उन्होने बजट प्रबंधन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

विशेषज्ञों ने विकास लक्ष्य एवं मिशन कर्मयोगी के बारे में जानकारी दी

एसोसिएट मैनेजर कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन श्वेता सिंह ने सतत विकास लक्ष्य एवं मिशन कर्मयोगी के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मिशन का उद्देश्य है कि सिविल सेवक वेतनभोगी नहीं, कर्मयोगी बनें। सिंह ने कहा कि नियम आधारित के स्थान पर भूमिका आधारित प्रणाली विकसित हो। उन्होंने आई-गाट विशेष प्रयोजन वाहन के बारे में भी बताया। सत्र के अंत में डॉ. महेन्द्र सिंह ने चुनाव प्रबंधन के संबंध में व्यापक और ज्ञानपरक जानकारी दी।

राज्य सरकारों की सफल योजनाओं के बारे में बताया

लीडरशिप समिट के दूसरे सत्र में डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने अन्य भाजपा संचालित राज्य सरकारों की सफल योजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने गुजरात के बड़ोदरा में शुरू की गई जन-विश्वास बस योजना, केनाल टॉप सोलर प्रोजेक्ट, शाला प्रवेश उत्सव, अहमदाबाद का बीआरटीएस, उत्तरप्रदेश का नकल मुक्त प्रदेश अभियान, एक जिला-एक उत्पाद योजना, हरियाणा की परिवार पहचान-पत्र योजना, महाराष्ट्र की जलयुक्त शिवार योजना, गोवा की स्वयं पूर्ण योजना और राजस्थान की अंत्योदय योजना के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने गोवर्धन योजना पर भी चर्चा की।

आईटी छापे पर अमरजीत बोले-मारपीट कर गलत दस्तावेज पर साइन लिए

झंझट से बचने हमें गोली मार दें:भगत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने आयकर विभाग की कार्रवाई पर कहा कि, गैर भाजपाई आदिवासी नेताओं को बीजेपी टारगेट कर रही है। इससे तो अच्छा झंझट से बचने आप हमें और जितने आदिवासी नेता हैं उन्हें गोली मार दीजिए। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि, गलत दस्तावेज पर मारपीट कर साइन कराए गए हैं। लगातार 4 दिन अमरजीत भगत के निवास समेत उनके करीबियों के ठिकानों पर आईटी ने कार्रवाई की थी। शनिवार को यह कार्रवाई खत्म हुई जिसके बाद सोमवार को रायपुर में भगत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस ली। कांग्रेस प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में मीडिया से उन्होंने बातचीत की।

पूर्व मंत्री ने पूछा-आदिवासियों को जीने का हक नहीं है क्या?

आईटी की कार्रवाई पर भगत का कहना है कि, हमारे पुराने स्टाफ के साथ मारपीट कर गलत दस्तावेज में दस्तखत और बयान लिए गए। यह क्या चाहते हैं आदिवासियों को जीने का हक नहीं है क्या। विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के तमाम नेताओं पर कार्रवाई की गई। इस प्रदेश में इतने बड़े-बड़े धन्ना सेठ हैं, लेकिन उन्हें सिर्फ एक आदिवासी ही दिखा।

'केंद्रीय एजेंसियों का गलत इस्तेमाल कर दहशत फैलाई जा रही'

केंद्रीय एजेंसियों का गलत इस्तेमाल कांग्रेस के खिलाफ और गैर बीजेपी शासित राज्यों के खिलाफ कर दहशत फैलाने का काम चल रहा है। हाल ही में आदिवासी नेता झारखंड के मुख्यमंत्री सोरेन के साथ भी ऐसा ही किया गया, पद से इस्तीफा देने तक मजबूर किया गया। मेरे निवास सहित पूरे मेरे सहयोगियों के खिलाफ प्रदेशभर में छापा मारकर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। लगातार 4 दिन तक हमें घर से बाहर भी नहीं निकलने दिया गया। राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को दबाने के लिए ये हथकंडे अपनाए जा रहे हैं।

'जो शपथपत्र में दिया उसके अलावा कुछ भी नहीं मिला'

भगत ने आगे कहा कि, आईटी की टीम भेजकर डर का वातावरण बनाने की कोशिश की जा रही। कार्रवाई के दौरान हर कमरे में आईटी की टीम और चप्पे-चप्पे में पुलिस की टीम मौजूद थी। जब से छत्तीसगढ़ राज्य बना है तब से यह पहला उदाहरण है जहां ऐसे तांडव किया गया है। मैंने विधानसभा में जो शपथपत्र दिया है उसके अलावा छापे में अतिरिक्त कुछ भी नहीं निकला है। सरकार चाहे तो किसी को भी फंसा सकती है और जेल भेज सकती है।

'अत्याचार करेंगे तो विरोध होगा ही'

अमरजीत भगत ने पूछा कि क्या, आदिवासियों को राजनीति करने का अधिकार नहीं है? साथ ही उन्होंने कहा कि, भारत जोड़ो न्याय यात्रा छत्तीसगढ़ पहुंचने वाली है, मुझे पार्टी ने संयोजक के रूप मे नियुक्त किया है, कार्यक्रम सफल ना हो इसके लिए ऐसी कार्रवाई हो रही है। आदिवासी नेता जो गैर भाजपाई हैं उन्हें टारगेट किया जा रहा है। प्रपंच और झंझट से बचने के लिए जितने आदिवासी नेता हैं उन्हें लाइन से खड़े कर गोली मार दीजिए। अगर अत्याचार करेंगे तो विरोध तो होगा।

रामलला के दर्शन के लिए जा रहे 1344 यात्री

दुर्ग से पेंड्रा पहुंची 'आस्था स्पेशल ट्रेन' का स्वागत, लगे जय श्रीराम के नारे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद उनके दर्शन के लिए छत्तीसगढ़ से आस्था स्पेशल ट्रेन रविवार को पूरी सुरक्षा व्यवस्था के साथ रवाना किया गया। दुर्ग से पेंड्रा रोड स्टेशन पहुंचने पर राम भक्तों का उत्साह देखते ही बना।पूरा स्टेशन परिसर जय जय श्री राम के नारों से गूंज उठा, तो वहीं ट्रेन के भीतर भी हर कोई जय जय श्री राम के जयकारे लगा रहा था, तो कोई हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ रहा था। अयोध्या जाने वाले छत्तीसगढ़ प्रदेश के 1344 यात्रियों में बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक शामिल है। श्रीराम भक्तों को लेकर जा रही आस्था स्पेशल ट्रेन में यात्रियों के स्वागत के लिए पेंड्रा जिला इकाई के विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में स्टेशन पहुंचे थे।

पति-पत्नी का झगड़ा छुड़ाने के दौरान ससुर ने दामाद का फोड़ा सिर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

घटना धरसींवा थाना क्षेत्र में एक ससुर ने अपने दामाद को डंडे से उसका सिर फोड़ दिया। जिससे दामाद लहूलुहान हो गया। पति-पत्नी का झगड़ा छुड़ाने के दौरान हमला कर दिया।

दरअसल, पीड़ित मुकेश वर्मा मोहदी गांव में रहता है। उसकी शादी पिंकी यादव से एक साल पहले हुई थी। घरेलू बात पर पति-पत्नी के बीच में विवाद हो रहा था। तभी मुकेश के ससुर पुनित राम यादव घर पर आ गए और बेटी का पक्ष लेते हुए मुकेश से गाली-गलौज कर मारपीट करने लगे। उसने मुकेश के सिर पर डंडा मारकर घायल कर दिया।

सिध मैनेजमेंट कॉर्पोरेट सर्विसेज लिमिटेड
CIN: L65999DL1985PLC019846
पंजीकृत कार्यालय : ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट्स, 25, आई.पी. एक्सटेंशन, पटपड़गंज नई दिल्ली-110092
E-Mail: info@sidhmanagement.in ; Website: www.sidhmanagement.in
31 दिसम्बर 2023 को समाप्त तृतीय तिमाही और नौ माह हेतु अअंकेक्षित स्टैंडअलोन वित्तीय परिणामों का सार
[सेबी (एलओडीआर) नियमनों, 2015 के नियमन 47(1)(बी) देखें]
(राशि रु. में)

क्र. सं.	विवरण	अअंकेक्षित		
		समाप्त तिमाही 31 दिसम्बर 2023	समाप्त नौ माह 31 दिसम्बर 2023	समाप्त अनुकूल तिमाही 31 दिसम्बर 2022
1	प्रचालनों से कुल आय	19.267	48.992	27.552
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर, असाधारण और/अथवा असामान्य मदों से पूर्व)	15.825	38.711	24.528
3	कर से पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण और/अथवा असामान्य मदों के बाद)	15.825	38.711	24.528
4	कर के बाद अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण और/अथवा असामान्य मदों के बाद)	15.825	38.711	25.030
5	अवधि हेतु कुल व्यापक आय [अवधि हेतु निहित लाभ/(हानि) (कर के बाद) और अन्य व्यापक आय (कर के बाद)]	15.825	38.711	25.030
6	इक्विटी शेयर कैपिटल	211.750	211.750	211.750
7	रिजर्व्स (पूर्ववर्ती वर्ष की अंकेक्षित बैलेंस शीट में दर्शाये अनुसार पुनर्मूल्यांकन रिजर्व को छोड़कर)	-	-	-
8	अर्जन प्रति शेयर (रु. 10 प्रत्येक के) (वार्षिकृत नहीं) बेसिक एवं डायल्युटेड	0.747	1.828	1.182

टिप्पणी : उपरोक्त सेबी (लिस्टिंग ऑब्लीगेशंस एवं घोषणा आवश्यकताएं) नियमनों, 2015 के नियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंजेज के पास दायर किये गये समाप्त तैमाहिक अअंकेक्षित वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक सार हैं। अअंकेक्षित वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज वेबसाइट्स यथा www.msei.in पर उपलब्ध हैं। ये कम्पनी की वेबसाइट यथा www.sidhmanagement.in पर भी उपलब्ध हैं।
बोर्ड के आदेशानुसार
कृते सिध मैनेजमेंट कॉर्पोरेट सर्विसेज लिमिटेड
हस्ता/-
दिनेश शर्मा
पूर्ण-कालिक निदेशक
डीआईएन नं. : 07526355
दिनांक : 05 फरवरी 2024
स्थान : दिल्ली

सांसद निधि खर्च करने में डिप्टी सीएम साव सबसे पीछे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ में विकासकार्यों को लेकर सांसदों ने कितना खर्च किया है। इसे लेकर केंद्र सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने रिपोर्ट जारी किया है। सांसद निधि से खर्च करने बिलासपुर से पूर्व सांसद अरुण साव का नाम सबसे पीछे है। वहीं, राजनांदगांव सांसद संतोष पांडेय सबसे आगे है। हर सांसद को 12-12 करोड़ रुपए दिए गए थे। प्रदेश के 11 लोकसभा सांसदों को 132 करोड़ रुपए दिए गए थे। राजनांदगांव से भाजपा सांसद संतोष पांडेय के सांसद फंड के तहत खाते में 12 करोड़ में से सिर्फ 1 करोड़ 33 लाख रुपए बचे हैं। दूसरे नंबर पर दुर्ग से भाजपा सांसद विजय बघेल हैं। जिनके खाते में अब 2 करोड़ 40 लाख रुपए बचे हैं। सांसद निधि की राशि खर्च करने में तीसरे नंबर पर रायपुर से भाजपा सांसद सुनील सोनी है। सुनील सोनी के खाते में अब भी 2 करोड़ 83 लाख रुपये हैं।

संतोष पांडेय सबसे आगे, छत्तीसगढ़ के 11 लोकसभा सांसदों के खर्च का ब्योरा

सांसद का नाम	पार्टी	शेष राशि करोड़ में
अरुण साव	भाजपा	4.95
गोमती साय	भाजपा	4.77
चुन्नीलाल साहू	भाजपा	4.12
दीपक बैज	कांग्रेस	4.01
गुहराम अजगले	भाजपा	3.76
रेणुका सिंह	भाजपा	3.29
ज्योत्सना महंत	कांग्रेस	3.09
मोहन मंडावी	भाजपा	2.88
सुनील सोनी	भाजपा	2.83
विजय बघेल	भाजपा	2.40
संतोष पांडेय	भाजपा	1.33

इन्होंने खर्च करने में बरती कंजूसी

पूर्व सांसद अरुण साव सबसे पीछे हैं। अब तक मिले कुल 12 करोड़ में साव ने 7 करोड़ 5 लाख खर्च किये हैं। 4 करोड़ 95 लाख अब तक अरुण साव ने खर्च नहीं किये है। वहीं, रायगढ़ से पूर्व सांसद गोमती साय अब तक 4 करोड़ 77 लाख रुपये नहीं खर्च कर पाई है। महासमुंद से सांसद चुन्नीलाल साहू अब तक 4 करोड़ 12 लाख रुपये नहीं खर्च कर पाए हैं।

इकलौती मंत्री भी राशि खर्च न करने में 6वें स्थान पर

केंद्र की मोदी सरकार में प्रदेश से इकलौती केंद्रीय राज्य मंत्री रही रेणुका सिंह भी सांसद निधि की राशि खर्च न करने के मामले में 6वें स्थान पर है। अब तक मिले 12 करोड़ रुपये में से वो 3 करोड़ 29 लाख रुपए खर्च नहीं कर पाई है। इसके अलावा कांग्रेस से ज्योत्सना महंत 7वें स्थान पर हैं।